भारत सरकार
रेल मंत्रालय

लोक सभा
24.07.2024 के
अतारांकित प्रश्न सं. 270 का उत्तर

वंदे भारत एवं पैसेंजर ट्रेनों की स्थिति

270. श्री के. सुधाकरन:

क्या रेल मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) वर्ष 2004 और 2024 के बीच एक्सप्रेस, पैसेंजर, सुपरफास्ट आदि सहित प्रत्येक श्रेणी में वर्ष-वार कितनी यात्री रेलगाड़ियों की संख्या बढ़ाई गई है;
(ख) जून, 2024 तक वंदे भारत रेलगाड़ियों की खरीद/निर्माण पर सरकार पर कुल कितना व्यय किया गया है;
(ग) भारत में इस समय चलाई जा रही वंदे भारत रेलगाड़ियों की राज्य-वार कुल संख्या कितनी है; और
(घ) 7 मई, 2024 को भारत में संचालित होने वाली प्रत्येक वंदे भारत ट्रेन की अधिभोग (प्रतिशत में) कितनी है?

उत्तर

रेल, सूचना और प्रसारण एवं इलेक्ट्रोनिकी और सूचना प्रौद्योगिकी मंत्री

(श्री अश्विनी वैष्णव)

(क) से (घ) यात्रियों के विभिन्न वर्गों की यात्रा आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए, भारतीय रेल विभिन्न प्रकार की सेवाओं की शुरुआत और परिचालन करती है जैसे- एक्सप्रेस गाड़ियां, सुपरफास्ट गाड़ियां, पैसेंजर/मेमू/डेमू गाड़ियां और उपनगरीय सेवाएं। इसके अलावा, भारतीय रेल में गाड़ी सेवाओं की शुरुआत करना सतत प्रक्रिया है जो यातायात औचित्य, परिचालनिक व्यवहार्यता, संसाधनों की उपलब्धता आदि के अध्यधीन है।

इसके अलावा, गाड़ी-वार खरीद/विनिर्माण लागत का ब्यौरा नहीं रखा जाता है।

19 जुलाई, 2024 की स्थिति के अनुसार, भारतीय रेल में 102 वंदे भारत गाड़ी सेवाएं चल रही हैं, जो बड़ी लाइन पर विद्युतीकृत नेटवर्क वाले सभी राज्यों को जोड़ती हैं। बहरहाल, चूँकि रेलवे नेटवर्क राज्य की सीमाओं के आर-पार फैला होता है, इसलिए नेटवर्क की आवश्यकता के अनुसार, ऐसी सीमाओं के आर-पार गाड़ी सेवाएँ शुरू की जाती हैं। 07.05.2024 की स्थिति के अनुसार, वंदे भारत गाड़ियों की कुल अधिभोगिता 98.10% थी।

*****

s.k